Finance Corporation of India on this date.

Breeding of horses

1547. SHRI DIGVIJAY SINH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have any special projects for breeding horses with the purpose of preventing indigenous breeds from becoming extinct;

(b) how much budget allocation has been made for these plans and which are the projects being implemented or proposed for implementation; and

(c) the reasons for delay in implementation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) to (c) The information is being collected from all the States/Union Territories and will be placed on the Table of Lok Sabha as soon as received.

दिल्ली में दूध की सप्लाई

†1548. **श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में गत एक वर्ष से दूध की कमी है;

(ख) दिल्ली में दूध की वार्षिक आवश्यकता कितनी है और इसके लिये कितना दूध सप्लाई किया जा रहा है ;

(ग) क्या सरकार को यह जानकारी है कि दिल्ली में दूध-केन्द्र मैनेजरों की सांठ गांठ से बड़ी संख्या में दूध की बोतलें अधिक दाम पर बेची जाती है ; और

(घ) यदि हां, तो दूध की सप्लाई में सुधार करने के लिये तथा दूध केन्द्रों पर कदाचार को रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) : (क) और (ख). आम तौर से गर्मी के महीनों में दूध की सप्लाई की कमी अनुभव की जाती है, जबकि दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में भैंस के दूध के उत्पादन में गिरावट आ जाती है, जनसंख्या प्रवाह, मांग का मूल्य और उपलब्धि के साथ संबंध होने जैसे पहलुओं के कारण, दिल्ली में दूध की वार्षिक मांग का ठीक से अनुमान बताना संभव नहीं है। दो डेरियां, अर्थात मदर डेरी और दिल्ली दुग्ध योजना आजकल प्रतिदिन लगभग 9 लाख लिटर दूध की सप्लाई कर रही है। दोनों डेरियों द्वारा की जाने वाली मौजूदा सप्लाई पिछले वर्ष की इसी अवधि की दैनिक सप्लाई की मात्रा से प्रतिदिन लगभग 1.25 लाख लिटर अधिक है।

(ग) और (घ). दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा दुग्ध केन्द्रों की बिक्री "पहले आये पहले पाये" के आधार पर की जाती है। दिल्ली दुग्ध योजना के पर्यवेक्षण संबंधी कर्मचारियों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित और अकस्मात निरीक्षण किये जाते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दूध के वितरण में कोई कदाचार न हो। जब कभी कदाचार का कोई मामला पाया जाता है, अथवा प्राधिकारियों के ध्यान में लाया जाता है, तो तत्काल सुधारात्मक उपाय किये जाते हैं।

खाद्यान्न के भंडार

1549. **श्री आर० एन० राकेश :** क्या कृषि मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरणस भा पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि 1 नवम्बर, 1978,